कोशिश

छत्तीसगढ़ दूरसंचार की ऊंची उड़ान की

नालन्दा परिसर ऑक्सीरीडिंग जोन, रायपुर

13 वां अंक,
प्रथम डिजिटल संस्करण,
सितम्बर 2019

म्यूजिकल फाउन्टेन, अटलनगर, नवा रायपुर

चित्रकूट जलप्रपात, बस्तर

भारत संचार निगम लिमिटेड
छत्तीसगढ़ परिमंडल, रायपुर

कोशिश

संरक्षक की कलम से.....

छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमंडल की गृह पत्रिका कोशिश के 13 वें अंक के डिजीटल प्रकाशन पर मुझे अत्यन्त ही हर्ष की अनुभूति हो रही है। बी.एस.एन.एल. की वर्तमान आर्थिक स्थिति को देखते हुए मितव्ययिता बरतने के उदेश्य से यह डिजिटल अंक प्रकाशित किया जा रहा है। गृह पत्रिका के प्रकाशन से कार्मिकों को अपनी लेखन प्रतिभा को उजागर करने का अवसर मिलता है।

साथियों, पिछले एक वर्ष के दौरान छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमंडल ने अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं, इन उपलब्धियों के कारण निगम कार्यालय द्वारा समय समय पर छत्तीसगढ़ परिमंडल को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान कर सम्मानित किया गया। वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान उद्यम व्यवसाय सेगमेंट मे उल्लेखनीय कार्य किया गया है। इस दौरान निर्धारित लक्ष्य रू.31 करोड़ की तुलना में रू.31.69 करोड़ का व्यवसाय किया गया। इसी प्रकार लीज्ड़ लाईन सर्किट कमिशनिंग में भी वार्षिक लक्ष्य 700 की तुलना में 819 की प्राप्ति हुई, जो कि निर्धारित लक्ष्य के आधार पर 117 प्रतिशत है। इसी तरह लीज्ड़ सर्किट की बिलिंग के लिए निर्धारित लक्ष्य रू.43 करोड़ की तुलना में 114 प्रतिशत अर्थात् रू.49करोड़ की प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। नए सिम विक्रय हेतु निर्धारित वार्षिक लक्ष्य 3.60 लाख की तुलना में कुल 3.43 लाख नए सिम का विक्रय किया गया, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 95.28 प्रतिशत है। इस उपलब्धि पर बी.एस.एन.एल. के समस्त परिमंडलों में छत्तीसगढ़ परिमंडल ने 10 वाँ स्थान प्राप्त किया। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान छत्तीसगढ़ परिमंडल ने प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून) में मिशन 18 के.3 एम. (Mission 18K3M) के अंतर्गत 104 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल किया। इस उपलब्धि पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, निगम कार्यालय द्वारा प्रशंसा पत्र जारी किया गया। सी.एफ.ए. सेगमेंट में ग्रामीण क्षेत्रों में यू.एस.ओ. फेस-I के अंतर्गत 120, फेस-II के अंतर्गत 60, फेस-III के अंतर्गत 110, फेस-IV के अंतर्गत 120 वाई फाई हॉट स्पॉट लगाए जा चुके हैं एवं एवं फेस-V के अंतर्गत 100 वाई फाई हॉट स्पॉट लगाए जा रहे हैं।

मोबाईल सेगमेन्ट में छत्तीसगढ़ परिमंडल में सर्वप्रथम बिलासपुर एस.एस.ए. के अंतर्गत 4G की सेवा में विस्तार किया गया है। इसके बाद 4G की सेवा बिलासपुर, कोरबा एवं मुंगेली जिले में प्रारंभ की गई है।

प्रतिस्पर्धा के वर्तमान दौर में मैं परिमंडल के समस्त कार्मिकों से अपील करता हूँ कि वे जहाँ कहीं भी, जिस पद पर भी पदस्थ हैं, अपना कार्य, पूर्ण प्रतिबद्धता एवं ईमानदारी के साथ करें।

अंत में मैं 'कोशिश' के इस डिजिटल संस्करण के प्रकाशन में अपना सक्रिय सहयोग देने वाले समस्त कार्मिकों एवं संपादक मण्डल से जुड़े सभी कार्मिकों को साधुवाद देता हूँ, जिनके अथक प्रयासों के फलस्वरूप इस ई-पत्रिका का समय पर प्रकाशन संभव हो सका।

मुझे आशा है कि इस पत्रिका में प्रकाशित सामग्री आपको अवश्य पसंद आएगी।

शुभकामनाओं सहित

आपका

दिनांक : 31 अगस्त 2019

(आर. एन. पटेल)
मुख्य महाप्रबंधक
छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमंडल

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

भारत संचार भवन, हरीश चन्द्र माथुर लेन,
जनपथ, नई दिल्ली -110001, भारत
दूरभाष कार्यालय : +91-11-23372424
फेक्स : +91-11-23372444
ई-मेल : cmdbsnl@bsnl.co.in
Bharat Sanchar Bhawan, H.C.Mathur Lane,
Janpath, New Delhi - 100 001, India
Ph. : +91-11-23372424
Fax : +91-11-23372444
E-mail : cmdbsnl@bsnl.co.in

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

पी के पुरवार
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
P.K. PURWAR
Chairman & Managing Director

सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हो रही है कि छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमण्डल अपनी वार्षिक गृह पत्रिका "कोशिश" के 13 वें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है।

मैं आशा करता हूँ कि यह पत्रिका अपने माध्यम से पाठकों का मनोरंजन, उनका ज्ञानवर्धन, बहुमूल्य सूचनायें पहुंचाने और विशेषकर बी.एस.एन.एल. कर्मचारियों में सकरात्मकता एवं आत्मविश्वास जगाने तथा अनेक उद्देश्यों में पूरी तरह सफल हो।

जैसा कि आपको विदित है कि इस समय बी.एस.एन.एल. बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है। इस प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में उन्नति करने एवं उपभोक्ताओं की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए हमें दोषमुक्त, विनम्रतापूर्ण एवं समर्पण की भावना से उच्चस्तरीय सेवाएं प्रदान करना अति आवश्यक है। इस दिशा में, मैं बी.एस.एन.एल. के समस्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों से संपूर्ण सहयोग, समर्पण और कार्यनिष्ठा की आशा करता हूँ।

मैं वार्षिक गृह पत्रिका "कोशिश" के 13 वें अंक के प्रकाशन पर छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमण्डल के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देता हूँ।

शुभकानाओं सहित।

आपका
प्रवीण
(पी. के. पुरवार)

कमरा नं. 310, भारत संचार भवन, हरीश चन्द
माथुर लेन, जनपथ, नई दिल्ली -110001, भारत
Room No. 310, Bharat Sanchar Bhawan,
H.C.Mathur Lane, Janpath,
New Delhi - 100 001, India
दूरभाष/Office : +91-11-2373 4141
फैक्स/Fax : +91-11-2331 4141
ई-मेल/E-mail : dir.fin@bsnl.co.in

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

एस. के. गुप्ता
निदेशक (वित्त)

S.K. GUPTA
Director (Finance)
B.S.N.L. Board

संदेश

मेरे लिए यह अत्यधिक हर्ष का विषय है कि छत्तीसगढ़ परिमण्डल द्वारा पत्रिका "कोशिश" के 13 वें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। पत्रिका में बीएसएनएल से संबंधित ज्ञानवर्धक जानकारी के अलावा व्यक्तिव विकास के बारे में भी जानकारी शामिल होती हैं। पत्रिकाओं के माध्यम से कथाओं, कविताओं, आलेखों तथा संस्मरणों आदि के अध्यन से रोचक, ज्ञानवर्धक एवं सूचनाप्रद जानकारी भी मिलती है। इस पत्रिका के माध्यम से कार्मिको में राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक उपयोग के प्रति रूचि, उत्साह एवं आकर्षण का संचार होगा ऐसा मेरा मानना है।

मैं चाहता हूं कि कार्यालय के सदस्य एक-दूसरे के अनुभवों, ज्ञान, संशाधनों और कौशल का भरपूर लाभ उठाएं और इन्हें आपस में साझा करते हुए संगठन के कार्यो एवं अन्य सभी क्षेत्रों में आगे बढ़े और संगठन का मान बढ़ाते हुए राजभाषा कार्यान्वयन में भी अपना परचम लहराए।

पत्रिका के उत्तरोत्तर प्रगति की मंगल कामनाओं के साथ प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को बधाई देता हूँ।

शुभकानाओं सहित।

सुरेश कुमार गुप्ता

(सुरेश कुमार गुप्ता)

कमरा नं. 317, भारत संचार भवन, हरीश चन्द
माथुर लेन, जनपथ, नई दिल्ली -110001, भारत
Room No. 317, Bharat Sanchar Bhawan,
H.C.Mathur Lane, Janpath,
New Delhi - 100 001, India
दूरभाष/Office : +91-11-23734073
फैक्स/Fax : +91-11-23734075
ई-मेल/E-mail : dir.cm@bsnl.co.in

BSNL Connecting India Faster

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

शीतला प्रसाद
निदेशक (सी.एम.)
बी.एस.एन.एल. बोर्ड
SHEETALA PRASAD
Director (C.M.)
B.S.N.L. Board

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमण्डल अपनी वार्षिक गृह पत्रिका "कोशिश" के 13वें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है, किसी संगठन की सेवाओं और कार्यकलापों की जानकारी पत्रिका के माध्यम से जन-समुदाय तक पहुँचाना एक महत्वपूर्ण कार्य है। मुझे इस बात की खुशी है कि बीएसएनएल, छत्तीसगढ़ परिमण्डल कार्यालय निरंतर रूप से "कोशिश" का प्रकाशन कर रहा है।

पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने में हिन्दी भाषा एक सशक्त माध्यम रही है। गृह पत्रिका के द्वारा राजभाषा हिन्दी के अधिकाधिक उपयोग के प्रति रूचि, उत्साह एवं आकर्षण का संचार होगा। मुझे विश्वास है कि गृह पत्रिका "कोशिश" विभागीय गतिविधियों तथा कर्मचारियों/अधिकारियों की साहित्यिक अभिरूचियों को एक ही मंच पर प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम बनेगी।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

शुभकानाओं सहित।

आपका

(शीतला प्रसाद)

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

कमरा नं. 307, भारत संचार भवन, हरीश चन्द माथुर लेन, जनपथ, नई दिल्ली -110001, भारत
Room No. 307, Bharat Sanchar Bhawan, H.C.Mathur Lane, Janpath, New Delhi - 100 001, India
दूरभाष/Office : +91-11-23738999
फैक्स/Fax : +91-11-23734242
ई-मेल/E-mail : dircfa@bsnl.co.in

BSNL Connecting India Faster

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

विवेक बॉझल
निदेशक (सी.एफ.ए.)
बी.एस.एन.एल. बोर्ड
VIVEK BANZAL
Director (C.F.A.)
B.S.N.L. Board

संदेश

मुझे जानकार अत्यंत प्रसन्नता हुई कि छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमण्डल, हिन्दी पखवाड़ा 2019 के दौरान अपनी गृहपत्रिका "कोशिश" का तेरहवा अंक प्रकाशित करने जा रहा है।

मुझे आशा है कि इस अवसर पर प्रकाशित गृहपत्रिका "कोशिश" कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को दूरसंचार सेवाओं, तकनीकी तथा साहित्यक विषयों पर रचनाओं के माध्यम से अपना योगदान देने का सुअवसर प्रदान करेगी एवं बी.एस.एन.एल. परिवार का ज्ञानवर्धन भी होगा ।

इस अवसर पर मैं छततीसगढ़ दूरसंचार परिमण्डल परिवार के सभी सदस्यों को इस सार्थक प्रयास हेतु बधाई देता हूं ।

शुभकामनाओं सहित।

(विवेक बॉझल)

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

भारत संचार भवन, हरीश चन्द माथुर लेन,
जनपथ, नई दिल्ली -110001, भारत
Bharat Sanchar Bhawan,
H.C.Mathur Lane, Janpath,
New Delhi - 100001, India
दूरभाष/Office : +91-11-23734064, 23037101
फैक्स/Fax : +91-11-23734166
ई-मेल/E-mail : dir.enterprise@bsnl.co.in

BSNL
Connecting India
Faster

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

बी.एल. वार्ष्णेय
निदेशक (उद्यम)
B.L. Varshney
Director (Enterprise Business)

संदेश

हिन्दी पखवाड़ा 2019 के अवसर पर छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमण्डल के सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमण्डल के द्वारा गृह पत्रिका "कोशिश" का 13 वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। यह एक सकारात्मक एवं सराहनीय प्रयास है तथा सभी बधाई के पात्र हैं।

हिन्दी भारतीय संस्कृति की भाषा है, हिन्दी को राजभाषा का असली दर्जा प्रदान करने के लिए यह जरूरी है कि हम सभी हिन्दी का प्रयोग करने में आने वाली समस्याओं व असमंजस के कारणों का पता लगाएं तथा उन्हें दूर करते हुए हिन्दी के प्रयोग के लिए उपयुक्त वातावरण बनायें। सूचना-प्रौद्योगिकी क्रांति और उन्नत संचार व्यवस्था के कारण आज हमारे कम्प्यूटर बिना किसी कठिनाई के हिन्दी में काम करने में पूरी तरह सक्षम हैं। तेजी से हो रही प्रगति का पूरा लाभ उठाते हुए हम अपने सभी दैनिक सरकारी काम-काज में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करें। सभी वरिष्ठ अधिकारी हिन्दी में कार्य को बढ़ावा देते हुए अन्य कर्मचारियों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करें।

आइए, हिन्दी पखवाड़े के शुभ अवसर पर हम सभी अपना अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने के अपने संवैधानिक और नैतिक दायित्व के निर्वाहन का संकल्प लें।

हिन्दी पखवाड़ा एवं "कोशिश" पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(बी.एल. वार्ष्णेय)

ह.सि. सोहल
मुख्य सतर्कता अधिकारी

संदेश

यह हर्ष की बात है कि बी.एस.एन.एल. छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमण्डल द्वारा पिछले कई वर्षो से राजभाषा कार्यान्वयन को गति देने के उद्देश्य से हिंदी गृह-पत्रिका "कोशिश" का प्रकाशन किया जा रहा है। इससे निगम के कार्मिकों को अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर मिलता है और साथ ही राजभाषा हिंदी का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

इस मंच के माध्यम से मैं भी बीएसएनएल अधिकारियों और कर्मचारियों को यह संदेश देना चाहता हूँ कि वे बीएसएनएल के हित में निडर होकर काम करें। मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि सकारात्मक इरादे के साथ लिया गया प्रामणिक निर्णय यदि बाद के चरण में परिस्थितियॉ बदल जाने से गलत भी साबित होता है तो ऐसी स्थिति में कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी परन्तु यह भी ध्यान रहे कि यदि गलत इरादे से निर्णय किया गया है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अंत में, मैं बीएसनएल छत्तीसगढ़ परिमण्डल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए हिंदी गृह-पत्रिका "कोशिश" के 13 वें अंक के सफल वार्षिक प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(ह.सि. सोहल)

गजेन्द्र कुमार
महाप्रबंधक (प्रशासन)
कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार,
रायपुर

दो ज़ैन कहानियां

ज़ैन, ध्यान की एक प्रणाली जो कि जापान में विकसित हुई । बौद्ध धर्म में यह पद्धति ध्यान की पराकाष्ठा मानी जाती है । ज़ैन ध्यान, चीन के चांग से विकसित हुआ । 'चांग' जो कि भारतीय शब्द 'ध्यान' का ही विकृत शब्द है जो कि चीनी भाषा में उपयोग किया जाता है । मूलतः जैन भारतीय ध्यान ही है परन्तु यह ध्यान पद्धति आधुनिक समय की जटिलताओं को देखते हुए विकसित हुई । जिसमें ध्यान के साथ-साथ शून्यता का भी समावेश हुआ । जीवन की महात्वताओं का अर्थ होते हुए भी अनर्थक होना, ज़ैन में ध्यान एवं शून्यता के ज्ञान के द्वारा इस तरह से मिला हुआ है कि ध्यान कब शून्य में बदल जाता है और शून्य में रहते हुए भी व्यक्ति उतना ही क्रिया मान रहता है जैसे कि साधारण व्यक्ति । जैन को समझाने के लिए जापान में एक कहानी प्रसिद्ध है । ज़ैन शिष्य गुरू से पूछता है कि ज़ैन क्या है । गुरू हाथ में लिया हुआ अपना थैला छोड़ देता है जो कि जमीन पे जा गिरता है । शिष्य पुनः पूछता है कि ज़ैन को कैसे पाया जाता है तो गुरू पड़े हुए थैले को उठा लेता है । 'अजन में निरंजन' रहने की यह विद्या भारत में लगभग 5000 वर्षो से साधी जा रही है । गीता में भगवान श्री कृष्ण के अर्जुन को दिये हुए उपदशों से लेकर भारतीय सन्तों महात्माओं की वाणी में इसे पाया जा सकता है ।

ज़ैन साधना में गुरू शिष्य को एक पहेली देता है जिसे जैन कोअन कहते हैं । शिष्य सारा जीवन इस पहेली को खोजने में लगा देता है । उदाहरणतः शिष्य की पहेली है - '' दोनों हाथों से बजती ताली की आवाज तो सभी जानते है एक हाथ की ताली के आवाज क्या है कभी सुनी है । ठीक उसी तरह संत कबीर साहिब भी कहते हैं । ''

चली जात देखी एक नारी, सिर उपर पनखट पनीहारी ।
चली जात वह बाट ही वाटा, सोवनहार के उपर खाटा ।।
संत कबीर साहिब ने अपने कई पदों में कहा -
कहे कबीर सुनो भई साधो, यह पद है निर्वाणा ।
जो इस पद का अर्थ लगावे होनहार चतुर सुजाना ।।

शिष्य जब इन पहेलियों को ढूंढ लेता है तो वह अपने को पूर्णता शून्यता में पाता है तब उसकी वही अवस्था होती है - ज्यूं गूगों गुड़ खायो । अब गूंगा व्यक्ति क्या और कैसे बताए की गुड़ का क्या स्वाद होता है । जिसे कहा गया है । मूकों करोति वाचालः । वाचालः करोति मूकम् - वे गूंगों को बोलने वाला एवं बोलने वाले को गूंगा कर देता है ।

जापान में ज़ैन ध्यान पर कई कहानियां प्रचलित है । जिसे वे ज़ैन ध्यान को समझाने एवं प्रयोग में लाने के लिए करते हैं । इन्ही में से दो कहानी यहॉ प्रस्तुत है ।

भूत

एक व्यक्ति की पत्नी बहुत बीमार हो गई । जब वह मृत्यु शैय्या पर थी तो उसने अपने पति से कहा, ''मैं तुम्हें बहुत प्यार करती हूँ और तुम्हे छोड़कर जाना नहीं चाहती । मैं नहीं चाहती कि तुम मुझे धोखा दो । कसम खाओ की मेरी मृत्यु के बाद भी तुम मुझे प्यार करोगे और किसी दूसरी लड़की से विवाह नहीं करोगे । यदि तुमने यह वचन तोड़ा तो मैं हमेशा भूत बनकर तुम्हारे पीछे पड़ी रहूंगी और चैन से नहीं रहने दूंगी ।''

उसकी मृत्यु के कुछ महीनों तक तो पति अपनी पत्नी के शोक में रहा व विवाह के अन्य प्रस्तावों को ठुकराता रहा । परन्तु तब उसे एक सुन्दर लड़की मिली जिसमें उसके जीवनसाथी की सभी योग्यताएं मौजूद थी । जल्दी ही वह उसके प्यार में पड़ गया । शीघ्र ही उसने विवाह का प्रस्ताव रखा और सगाई हो गई । सगाई की रात, उसकी मृतक पत्नी का भूत उसे मिला । उसने उसे अपने वचन में न रहने के लिए बहुत कोसा । उस रात के बाद वह हर रात को उसे मिलने आने लगी । भूत-पत्नी, उसके एवं उसकी मंगेतर के बीच होने वाली सभी घटनाओं, वादों बातचीत पर उसे लताड़ने लगी । उनके बीच की बातों को वह शब्द-शब्द याद कराती व उसे बहुत ही बुरा-बुरा कहती । वह उसे इतनी उदविग्न कर देती कि सारी रात उसे नींद नहीं आती ।

हताश होकर उसने अपनी समस्या एक ज़ैन गुरू के आगे रखी जो कि निकट के गॉव में ही रहता था । ''यह भूत तो बहुत ही चतुर है'' गुरू ने व्यक्ति की कहानी को सुनते हुए कहा । ''यही तो'' - व्यक्ति बोला वह हमारे बीच की हर एक बात एवं बारीकियों को जानती है मैं जो भी अपनी मंगेतर से कहता हूँ वह सब जानती है ।

गुरू ने मुस्कुराते हुए कहा - तुम्हें इस भूत की प्रशंसा करनी चाहिए वह बहुत ही चतुर है लेकिन जैसे बताउं, तुम्हें वही करना एवं कहना है जब वह तुम्हें अगली बार मिले ।

उसी रात भूत-पत्नी उसे मिली । व्यक्ति ने वही किया जो ज़ैन गुरू ने उसे सलाह दी थी ।

''तुम तो जानती हो कि तुमसे कुछ भी छुपा हुआ नहीं है, मुझ पर तुम्हारी बहुत पैनी नजर है । यदि तुम मेरे एक प्रश्न का उत्तर ठीक-ठीक दे दो तो मैं यह शादी तोड़ दूँगा और जीवन भर अकेला रहूंगा ।''

''प्रश्न पूछो'' - भूत पत्नी ने कहा -

व्यक्ति ने मेज पर रखे चावलों के डिब्बे से मुठ्ठी भर चावल निकाले और कहा - ''मुझे बताओ कि मेरी मुठ्ठी में कितने चावलों के दाने हैं ।''

उसी समय वह भूत उसे छोड़कर चली गई और दूबारा वापस नहीं आई ।

सुरंग

यामागुच्ची, एक मशहूर सामुराई इपदो प्रॉन्त में पहुँचा और शीघ्र ही वहाँ एक उंचे पद पर आसीन हो गया । वहाँ वह अपनी योग्यता एवं कौशल से अत्यंत विख्यात हो गया । जल्दी ही वह अपने अधिकारी के पत्नी के प्यार में गिरफ्त हो गया और शीघ्र ही उसका यह राज, राज न रहकर फाश हो गया । अपने बचाव में उसे अधिकारी की हत्या करनी पड़ी । वह अधिकारी की पत्नी के साथ वहाँ से भाग गया । सिपाइयों की गिरफ्त से बचने के लिए दोनों को ही भिखारियों की तरह रहना पड़ा । कुछ समय पश्चात् परिस्थितियों के आधीन होकर उन्हें चोरों का जीवन जीना पड़ा । यामागुच्ची इस बदले हुए जीवन से नाखुश था परन्तु अधिकारी की पत्नी इस परिस्थिति में भी चोरी और चोरों का जीवन पसन्द करती थी । वह बहुत ही लालची थी व उसे चोरी के लिए उकसाती थी । जल्दी ही यामागुच्ची चोरी और अधिकारी की पत्नी से उब गया । वह उसे छोड़कर बुजेन प्रॉत में चला गया व रमता जोगी की भांति रहने लगा ।

अपने पहले के जीवन के प्रायश्चित के लिए यामागुच्ची ने संकल्प किया कि वह अपने आगे के जीवन को अच्छे कामों में लगायेगा । बुजेन एक पहाड़ी क्षेत्र है व वहाँ के लोगों को पहाड़ी पखडंडियों के मार्ग से गुजरना होता था । पहाड़ी पखडंडी के एक खतरनाक रास्ते, जिसने कई लोगों की जान ले ली थी और कईयों को घायल किया था, के विषय में जानने के बाद उसने संकल्प किया कि वह पहाड़ के बीचो-बीच एक सुरंग बनायेगा जिसे इस्तेमाल में लाने से लोगों को पखडंडी से होकर न गुजरना पड़े और उनके जान-माल की रक्षा हो सके ।

यामागुच्ची, दिन भर भीख माँगता परन्तु रात को सुरंग का काम करने लगा । इस भांति लगभग तीस वर्ष गुजर गए । सुरंग लगभग 2280 फीट लंबाई, 20 फीट उंची और 30 फीट चौड़ी बन चुकी थी

कार्य के सम्पन्न होने से दो वर्ष पूर्व, मृतक अधिकारी के पुत्र ने उसे ढूंढ निकाला । पुत्र इतने वर्षों में तलवारबाजी का एक निपुण योद्धा बन चुका था व उसकी योग्यता के किस्से इयदो प्रांत में काफी चर्चित थे । अपने पिता की हत्या का बदला लेने व यामागुच्ची को मारने के उद्देश्य से उसने यामागुच्ची को ढूंढ निकाला । यामागुच्ची ने कहा - ''मैं तुम्हें अपनी जान खुद दे दूंगा, परंतु तुम मुझे यह सुरंग का कार्य पूरा करने दें । यही मेरी अंतिम इच्छा है । जिस दिन यह कार्य पूरा होगा । तुम मेरे सिर धड़ से अलग कर सकते हो ।''

अत:, पुत्र उस दिन की प्रतीक्षा करने लगा जब की सुरंग का काम पूरा हो जाए । इस तरह कई दिन एवं महिने गुजर गए । यामागुच्ची निरंतर काम में लगा रहा व अधिकारी का पुत्र कार्य की पूर्ति के इंतजार में । इस तरह इंतजार करते-करते पुत्र थकने लगा । उसने भी यामागुच्ची के कार्य को शीघ्र पूरा करने के उद्देश्य से उसकी मदद शुरू कर दी । लगभग एक वर्ष यामागुच्ची की मदद करते-करते वह यामागुच्ची के धैर्य, सहनशीलता व कर्त्तव्यनिष्ठा के प्रति, मनो-मन उसकी प्रशंसा करने लगा ।

अन्त:, सुरंग का काम पूर्ण हुआ । अब लोग आसानी एवं सुरक्षा के साथ सुरंग का इस्तेमाल कर सकते थे व पखडंडी का जोखिम खत्म हो गया था ।

''आओ, मेरा सिर धड़ से अलग कर दो''- यामागुच्ची ने कहा,''मेरा काम अब पूरा हो चुका है ।'

''मैं कैसे अपने गुरू की हत्या कर सकता हूँ'' - पुत्र ने नमन ऑखों से कहा ।

0----0----0----0----0----0----0----0----0----0----0

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

स्वच्छता पखवाड़ा 15.09.2018 से

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

बेहतर सेवा की नई लगन

गृह पत्रिका

वसंत निकोसे

उप-महाप्रबंधक

कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार

रायपुर

लघुकथा

आनंद दर्शन के संबंध में तथागत गौतम बुद्ध ने उनके एक श्रमण के प्रश्न के उत्तर में निम्नलिखित समाधान बताया।

भगवान बुद्ध एक बार आनंद के साथ उतलागाव में विहार कर रहे थे तभी दूसरी विचारधारा के मार्ग पर चलने वाला एक श्रमण उनके पास आया था भगवान को वंदन-अभिनन्दन करते हुए बोला-मैंने तथागत की ख्याति दूर-दूर तक सुनी है। लोग कहते है की वे बहुत पहुँचे हुए है। वे तुरंत आनंद का दर्शन करवा देते है।

तथागत ने कहा-श्रमण लोग जो कहते है प्रायः अपनी कल्पना एवं आस्था से कह देते है। यदि उन्होंने ऐसी भ्रान्ती पाल रखी है तो जान लो तथागत उतलागाव तक पहुंचे हुए है और तुरंत आनंद के दर्शन करवाने की बात की है तो इन भिक्खु को आनंद के नाम से जाना है, दर्शन कर लो। भगवान बुद्ध विनोदी स्वाभाव के भी थे। उनके विनोद को न समझते हुए श्रमण झेप गया। फिर संभलते हुए बोला-मैं तथागत से व्यक्तिगत आनंद अनुभव के दर्षन की बात करता हूँ। कृपया मुझे उसके दर्शन करवाइए।

तथागत ने कहा-श्रमण ! प्रत्येक के भीतर एक आनंद का सरोवर रहता है, परन्तु प्रायः लोग उसे अपने भीतर न खोजते हुए बाहर-बाहर भागते रहते हैं। ठीक उसी तरह जिस तरह कोई मृग अपनी नाभि में स्थित कस्तुरी की सुगंध का स्थान नहीं जान पाता परन्तु उसकी खोज में इधर-उधर भागता है। जहा-जहा वह जाता है कस्तुरी की गंध साथ जाती है क्योंकि वह उसी की नाभि में स्थित होती है और नाभि उसी के शरीर का एक अंग है जो शरीर से भिन्न नहीं होता। इसी तरह श्रमण आनंद का सरोवर सबके भीतर होता है जो बाहरी ऑखो से नहीं देखा जाता। भीतर अर्थात मन की सूक्ष्म दृष्टि से ही देखा जा सकता है। उसके के लिए ध्यान की गहराई में उतरना होता है। इसके लिए ध्यान-अभ्यास करना पड़ता है जो भटकन की दल-दल में फसे व्यक्ति के लिए इतना आसान नहीं। आनंदरूपी सरोवर को यदि कोई स्वर्ग (जहां सुख ही सुख है) के नाम से जानता है तो उसे यह भी जान लेना चाहिए कि उसके पूर्व (जहा दुःख ही दुःख है) का स्थान है! नर्क से गुजरे बिना स्वर्ग नहीं पाया जा सकता। प्रायः लोग आनंद के सरोवर की इच्छा तो करते है, परन्तु उस तक पहुंचने का सम्यक प्रयत्न नहीं करते।

श्रमण! भीतर स्थित आनंद-सरोवर के लिए भीतर की यात्रा करनी पड़ती है जो मन की सूक्ष्मतर द्वारा बढ़ते-बढ़ते पूरी की जाती है। जान लो, मन में अनेक तरह की विचार तरंगे उत्पन्न होती रहती है, परन्तु उन विभिन्न तरंगो तो एक धारा में परिवर्तित कर आनंद सरोवर (स्थिति) तक पहुंचा जा सकता है। याने मन को विचार शून्य की स्थिति में स्थिर करना पड़ता है। भूत व भविष्य की भटकन को छोड़ वर्तमान में जागरूकता के साथ स्थिर करना पड़ता है। अनेक जन्मों की भोव-अवस्था को एक (वर्तमान) जन्म की अवस्था में जीना सीखना होता है। श्रमण ! अच्छे-बुरे विचार मन में ही जन्म लेते है, मन के धरातल पर ही बड़े होते है और वे ही मनुष्य को स्वर्ग (अच्छी-सुखद स्थिति) व (बुरी-दुखद स्थिति) में ले जाते है। स्वर्ग या नर्क किसी अन्य द्वारा निर्मित स्थान नहीं। मन द्वारा रचा गया एक स्थान है जहा वह सुख-दुःख का अनुभव करता है। आनंद कर्मयोगी साधको के लिए यात्रा का एक पड़ाव है। वहा एकाकी होकर अर्थात दूसरे के साथ की इच्छा किये बिना यात्रा करनी पड़ती है।

श्रमण! अब तुम्हें निर्णय करना है कि तुम आनंद के दर्शन करने के लिए तैयार हो अथवा नहीं। तथागत तुम्हें आनंद सरोवर तक पहुंचने का मार्ग तो बता सकते है, लेकिन न तो वह साथ जा सकते है, न ही साथ ले जा सकते है।

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

BSNL

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती 31.10.2018

बेहतर सेवा की नई लगन

गृह पत्रिका

भरत द्विवेदी (कनि. लेखाधिकारी)
कार्यालय महाप्रबंधक दूरसंचार जिला रायपुर

जब साहस डर में खो जाए

जब साहस डर में खो जाए,
तब ज्ञान निरर्थक हो जाए!
अकर्मता से भरे जीवन में
जब आलस विजयी हो जाए!
बिन युद्ध पराजय पाता है,
प्रारब्ध क्षुब्ध हो जाता है
जब धैर्य मनोबल, तपोबल से
इंसान परे हो जाता है!!
जब साह डर में खो जाए...
सब सुख आनंद के अनुरागी,
रस विषयों का ना पान करे!
योगेश्वर के विजय रथ पर,
अब अर्जुन सा वो ध्यान धरे!
वही सकल मनोरथ पाता है,
जो विश्राम रहित हो जाता है,
और ध्यान लगन, तन मन से
लक्ष्यों से जुड़ जाता है!!
जब साहस डर में खो जाए....
कुछ गाएंगे अपनी पीड़ा,
और खो देगें अपने सपने!
जो चुन लेगें अपनी पीड़ा,
वही बन लेगें अपने सपने!
जो उलझन की रणभूमि पर,
स्वयं मर्यादित हो जाए,
वो ही ज्ञान, सफलता और सुख का
स्वयं परिचायक हो जाए!!
जब साहस डर में खो जाए,
तब ज्ञान निरर्थक हो जाए!

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

BSNL

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

स्वच्छता पखवाड़ा 18.11.2018 से 30.11.2018 के दौरान वृक्षारोपण

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस 06.12.2018

BSNL

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 08.03.2019

सचिन जामगड़े
सिनियर ऑफिस एसोसियट्
कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार,
खम्हारडीह, रायपुर

पांचवी पीढ़ी का वायरलेस इंटरनेट

हर कोई फास्ट इंटरनेट चाहता है, इसलिए इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि दुनिया में हर प्रमुख टेलीकॉम इसे और भी फास्ट बनाने पर काम रहे है। स्मार्टफोन, वॉच, घरों और कारों को फास्ट और स्टेबल इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है। उस बहुमूल्य वायरलेस फीड के लिए पर्याप्त बैंडविड्थ के वहन के लिए, हमें वायरलेस सिग्नल के एक बिल्कुल नए रूप की आवश्यकता होगी-यही वह जगह है जहां 5G आता है।

यह पहले के 4G और 3G की तरह, 5G एक वायरलेस कनेक्शन है जो विशेष रूप से उन डिवाइसेस के प्रसार को बनाए रखने के लिए बनाया गया है, जिन्हें मोबाइल इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होती। अब सिर्फ आपका फोन और आपका कम्प्यूटर ही नहीं बल्कि घरेलु उपकरणों, दरवाजों के ताले, सुरक्षा कैमरे, कार, पहनने के कपड़े और कई अन्य डिवाइसेस वेब से कनेक्ट होने लगे हैं।

कुछ लोग भविष्यवाणी करते है कि 2020 तक इंटरनेट से 20.8 अरब डिवाइस इंटरनेट से जुड़े होगें। तुलनात्मक रूप से, वर्तमान में दुनिया में अनुमानित 6.4 बिलियन कनेक्टेड डिवाइस है। कनेक्शन के डिमाण्ड करने वाले डिवाइसेस की यह संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है जो त्वरित कनेक्शन मांग रहे है।

5G और वायरलेस इंटरनेट के भविष्य को समझना थोड़ा आसान बनाने के लिए, हमने यह तय करने का फैसला किया कि यह वास्तव में क्या है और यह निकट भविष्य में आपके जीवन को बेहतर कैसे बनाएगा।

सुपरफास्ट "Fifth Generation 5G" मोबाइल इंटरनेट कुछ देशों में अगले वर्ष के शुरू में लॉन्च किया जा सकता है, जिसकी डाउनलोड स्पीड आज के मुकाबले 10 से 20 गुना फास्ट होगी। लेकिन वास्तव में इसका हमारे जीवन पर क्या फर्क पड़ेगा क्या हमें नए फोन चाहिए? और क्या दूरदराज के इलाकों में लोगों के लिए "नेटवर्क" मुद्दा हल करेगा?

5G में "G" "Generation" को दर्शाता है। वायरलेस फोन टेक्नालॉजी तकनीकी रूप से 1G के साथ शुरू हुई और 1990 के दशक की शुरूआत में यह 2G तक बढ़ गई जब कंपनियों ने पहली बार लोगों को दो सेलुलर डिवाइसेस के बीच टेक्स्ट मैसेज भेजने में सक्षम बनाया।

आखिरकार दुनिया 3G पर चली गई, जिसने लोगों को फोन कॉल करने, टेक्स्ट मैसेज भेजने और इंटरनेट ब्राउज करने की क्षमता दी। 4G ने कई क्षमताओं को बढ़ाया जो वायरनेस की तीसरी पीढ़ी के साथ संभव हो गए थे। लोग वेब ब्राउज कर सकते हैं, टेक्स्ट मैसेज भेज सकतें है और फोन कॉल कर सकते हैं-और वह भी बिना किसी समस्या के। इसके साथ ही बड़ी वीडियो फाइलों को डाउनलोड और अपलोड करना भी आसान और फास्ट हो गया।

तब कम्पनियों ने 4G कनेक्टिविटी के लिए LTE को एड किया, जो 4 जी कनेक्टिविटी के "दीर्घकालिक" विकास के लिए छोटा था। LTE, WiMax जैसी प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकियों की तुलना में सबसे फास्ट और सबसे कन्सिस्टन्ट बन गया। Wimax और LTE के बीच में उतना ही अंतर था जो ब्लू-रे और एचडी डीवीडी के बीच है:: दानों टेक्नोलोंजीज ने समान परिणामों को हासिल किया, लेकिन सभी के लिए उपयोग करने के लिए स्टैंडर्ड बनाना महत्वपूर्ण था। LTE ने 4 जी तकनीक को और भी तेज बना दिया।

BSNL

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

सतर्कता एवं सम्बद्ध मामलों पर समन्वय बैठक 15.03.2019

"राष्ट्रभाषा के बिना
राष्ट्र गूंगा है।
हिंदी भाषा का प्रश्न,
स्वराज का प्रश्न है।"

-महात्मा गांधी

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

BSNL

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक मंडल की बैठक 21.05.2019

महेश राजा
वसंत 51,कालेज रोड
महासमुंद छत्तीसगढ

लघुकथा

पुराना छाता

काफी उम्र हो गयी थी उसकी एक सरकारी महकमें में चौकीदारी करते हुए उम्र गुजार दी। आगे पीछे कोई न था। सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन से जो कुछ मिलता उससे रूखी सूखी खाकर गुजार रहा था। सुबह, शाम मंदिर जाना उसका नित्यकर्म था। बीच का समय कभी पार्क या ईधर उधर टहल कर कट जाता था।

सावन का महीना बारीश की शुरूआत हो गयी थी। नन्ही नन्ही बूंदो को टपकते देख कर उसकी बूढ़ी आंखो में चमक आ गयी थी। पुराने कबाड़ के सामान में से उसने अपना वो छाता ढूंढ निकाला, जो काम के प्रति उसकी लगन से खुश होकर बड़े साहब ने दिया था। बड़े जतन से उसने पुराने छाते पर की धूल को पोंछा। यही तो एकामात्र वह चीज थी जो उसके पुराने दिनों की स्मृति से जुड़ी थी। उसने प्रेमपूर्वक नजरों से छाते को देखा। उसे सहलाया अब वह फिर से बारिश शुरू होने का इंतजार करने लगा।

थोड़ी देर बाद जैसे ही नन्हीं नन्हीं बूंदे आसमान से टपकना शुरू हुई, वह बच्चों की तरह मचलता हुआ छाता लेकर सड़क पर दौड़ चला। उसमें एक नयी स्फूर्ति जाग उठी। तभी मौसम का मिजाज बिगड़ा हवा के तेज थपेड़े चलने लगे। उसे बड़े जोर का धक्का लगा। छाती भी सह नहीं पाया, उलट गया। छाते की डंडियों को छाती से लगाये भीगता हुआ वही धीमे कदमों से चलता हुआ, अपनी कोठरी में वापस आ गया।

वह पूरी तरह से भीग चुका था था। शरीर से टूट चुका था। हांफते गिरते टूटी हुई चारपायी पर पसर पडा। उसे महसूस हुआ कि उसका शरीर भी इस पुराने छाते की तरह हो गया है, जो अब किसी तरह के थपेडे सहने में असमर्थ हो गया है।

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

BSNL

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21.06.2019

अमित शर्मा
सहायक महाप्रबंधक
कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक,
छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमण्डल
खम्हारडीह, रायपुर

छत्तीसगढ़ की लोक कलाएँ

शब्दानुशासनम में कहा गया है लोके वेदे च अर्थात लोक में और वेद में भी। लोक की यह प्रथम प्रतिष्ठा अकारण नहीं है। वह वेद से भी अधिक प्राचीन है। लोक-मानस ने धरती को माता और अपने को उसका बेटा माना है। माता भूमि पुत्रोऽहं पृथ्थीत्याः नाते रिशतों के इस प्रेम ने उसे प्रकृति और उसकी संतान के साथ जोड़ दिया यहीं से फूटी लोक रचना की अजस्र धारा लोक गीत, लोक गाथा, लोक नाट्य और लोक नृत्य के रूप में आज तक प्रवाहित होती चली आ रही है। मनुष्य का सम्पूर्ण चितंन, दर्शन और राग-विराग लोक कला में इसी कारण सन्निहित है।

1 नवम्बर 2000 से छत्तीसगढ़ स्वतंत्र राज्य है। गढ़ अर्थात किला। यहां कभी छत्तीस किले थे। रायपुर, दुर्ग, राजनांदगॉव, बिलासपुर, रायगढ़, सुकुमा, दन्तेवाड़ा, सूरजपूर, बीजापुर आदि 27 जिलों में यह भू-भाग साहित्य संगीत और कला के क्षेत्र में अनेक विशेषताओं के लिए प्रसिद्ध है। रायपुर, बलौदाबाजार जिले के तुरतुरिया नामक स्थान में बाल्मीकि का आश्रम माना गया है। इस नाते, कविता की पहली ऋचा यहॉ फूटी।

शंकराचार्य के भी गुरू श्री गोविंद पाद स्वामी इसी धरती के संत थे। संगीत और कला के क्षेत्र में भी इसी प्रकार की अनेक बाते कही जाती है। छत्तीसगढ़ लोक-कला का भी गढ़ है। यहां खेत-खार पर्वत नदियॉ वन-उपवन सब गाते है:-

गेहूँ गाए गीत खेत में
और बाजरा झूमे नाचे
चना बजाता घुँघरू छन-छन
और मूँग ज्यों कविता बॉचे
लोक गीत की कड़ी-कड़ी में
जीवन का सरगम सजता है
लोक कला का जादू ऐसा
कमद-कदम लगता है।

लोक कला के इन जादूगरों का लंबा इतिहास है किन्तु आज भी छत्तीसगढ़ में ऐसे सैकड़ों कलाकार है, जिन्होनें देश के कोने कोने में और विदेशों में भी अपनी छाप छोड़ी है।

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

स्वतंत्रता दिवस 15.08.2019

बेहतर सेवा की नई लगन BSNL गृह पत्रिका

भारती राजा
पत्नी श्री महेश राजा
वसंत 51, कालेज रोड, महासमुंद, छत्तीसगढ़

भूल

पिछले दिनों की बात है। अंतरंग सहेली के बेटे की सगाई थी। काफी सालों से हम नहीं मिले थे। इस बार उसके आग्रह को देख कर मन मना लिया।

मैंने देखा एक बूढ़ी मां उनके घर काम करने आती। अन्य नौकर भी थे। पर सहेली उन्हें घर के सदस्य जैसा ही व्यवहार करती।

मेरे पूछने पर बताया कि अकेली जान है, कोई सहारा नहीं है। जब मैं ब्याह कर आयी, तब से घर के काम हेतु यही आ रही है। आज बरसों बीत गये। अतः उन्हें हटाया नहीं है।

बहुत भली महिला थी। हम सब के साथ काम में हिस्सा बटाती। काफी ईमानदार और मेहनती थी। धीरे धीरे ही सही पर काम चोखा करती।

एक शाम मैं और मेरी सहेली चांवल बीन रहे थे। छननी से छोटी कनकी निकाल उसे कचरे के डिब्बे में डाल देती। सारा चावल चुनने के बार ढेर सारी कनकी डिब्बे में जमा हो गयी।

दूसरे रोज सुबह बूढ़ी मां काम पर आयी तो कचरे को फेकने जा रही थी कि उसने देखा, ढेर सारी कनकी है। उसने पूछा, मालकिन यह किसने किया। मैं वही थी मैंने कहा, मां जी मैंने डाला है।

उसके झुर्रियों भर चेहरे पर दुःख और क्षोभ झलक आया, बोली, दीदी, यह आपने क्या कर दिया। यह आप अलग रख देती तो मैं उसमें से चुनकर चावल ले लेती, मुझे या किसी गरीब को काम आ जाता। मुझे भी अपनी गलती का अहसास हुआ। वे आगे बोली, जानती है दीदी इस अनाज को उगाने के लिए किसान भाई कितनी मेहनत करते है। सुबह शाम, धूप पानी कुछ नहीं देखते। खून पसीना एकक्षकर अनाज उगाते है, तब हम सबका पेट भरता है।

मैंने अपनी भूल स्वीकारी। उसके भाव भरे शब्द मेरे दिल को छू गये।

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ

हिन्दी पखवाड़ा वर्ष 2019 की कुछ झलकियां

बेहतर सेवा की नई लगन

गृह पत्रिका

गीता शिन्दे
कार्यालय अधीक्षक,
कार्यालय महाप्रबंधक,
दूरसंचार जिला-रायपुर

रिश्ता

एक ढलती शाम को मेरी परछाई
ने मुझसे कहा -रिश्ता क्या है।
रही खामोश मैं क्षणभर के लिए
फिर सोचकर मैंने कहा - जज्बातों की
माला पहनें, पहचान का आवरण ओढ़े
अहसास की भावना का नाम है रिश्ता।
है आधार प्रेम और विश्वास का रिश्ता।
रिश्तें है तो गम है, खुशी है, दर्द भी है
है गरिमा बस इन रिश्तों को निभाने में
तोड़ देती है दरारें इन रिश्तों को
होती है आवाज शीशे के टूटने से
पर होती नहीं आवाज रिश्तों के टूटने से
सहेज है इसे किसी ने, तो तोड़ा है इसे किसी ने
उतारना है इसे आत्मीयता की कसौटी पर
उजागर करना है इसे एक निश्चल मुस्कुराहट पर
बस यही है रिश्ता, सुन उत्तर मेरा
परछाई भी मुस्कराई
विलुप्त हो बस कहा उसने
हॉ यही है रिश्ता।
हॉ यही है रिश्ता।

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

हिन्दी पखवाड़ा
वर्ष 2019
की कुछ झलकियां

BSNL

बेहतर सेवा की नई लगन

गृह पत्रिका

अनीता जाम्बूलकर

सिनियर ऑफिस एसोसियट्
कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार
रायपुर

कुशलता ही इंजीनियर की पहचान

आज का युग तकनीक का युग है। इस युग में डिग्रीधारियों की नही बल्कि कुशल हाथों की मांग है। इजीनियरिंग की पढ़ाई एक ऐसा संकल्प है, जिसमें व्यक्ति अपने आपको इतना संवेदनशील बनाता है कि एक तरफ जहां उसे मशीनों की धड़कन महसुस होती है, वही दूसरी तरफ इंसानों की जरूरतों के प्रति वह संवेदनशील भी होता है। यही संवेदनशीलता कुशल इंजीनियर बनाती है।

सिर्फ डिग्री के लिए न पढ़े- आज से आपके जिदंगी की नई शुरूआत हो रही है। आपकी नई जिदंगी अब एक दिशा में होगी, क्योकि आपने एक विशय का चयन कर इस ओर बढ़ने का संकल्प लिया है। आपने भविश्य के लिए जो सपना देखा है। अब उसे साकार करने के लिए यहां से आगे बढ़ना होगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था तीव्र गति से आगे बढ़ रही है, तथा अनुमानों के अनुसार यह आगामी वर्शो से निरंतर 7-8 प्रतिशत प्रतिवर्श की गति से आगे बढ़ेगी। इस वृद्वि दर को प्राप्त करने व बनाए रखने के लिए काफी बड़ी मात्रा में कुशल श्रमशक्ति की आवश्यकता होगी। भारत में विभिन्न क्षेत्रों की कुशल श्रमशक्ति की मांग को देखने हुऐ वर्श 2022 तक लगभग 500 मिलियन व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता है।

कुछ प्रमुख क्षेत्र जो कि भारतीय अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करेंगें तथा जिनमें रोजगार की प्रबल संभावनाएं है वे है।

1. सूचना प्रौधोगिकी व सूचना प्रौधोगिकी समर्थित सेवाएं।
2. शिक्षा एंव कौशल विकास।
2. कपड़ा एंव उधोग।
4. कृषि।
5. इलेक्ट्रानिक्स तथा सूचना प्रौधोगिक हार्डवेयर।
6. बैकिंग बीमा एंव अन्य वित्तीय सेवाएं।
7. असंगठित क्षेत्रों में रोजगार।

विश्व बैंक द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रतिवर्श लगभग 70 लाख रोजगार के अवसर सृजित होगे। तात्पर्य यह कि पर्याप्त रूप से कुशल व्यक्ति के लिए रोजगार की असीम संभावनाएं होगी। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में प्रदेश स्तर पर सर्वाधिक कौशल युक्त व्यकतियों की आवश्यकता होती है। लेकिन वर्तमान में कार्यरत अधिकतर रोजगार पोर्टल व रोजगार परामर्शदाता शहरी क्षेत्रों की उच्च कौशल की मांग को पूरा करने पर ही केन्द्रित है। वर्षो से सूचना प्रौधोगिकी सूचना प्रौधोगिकी समर्थित सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स समर्थित सेवाओं , इलेक्ट्रॉनिक्स तथा हार्डवेयर , वोकेशनल कौशल आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षण व कौशल विकास के कार्य में संलग्न है।

BSNL
भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

कवि सम्मेलन, राजभाषा पखवाड़ा, 12.09.2019

चोवा राम साहू
पी.ए.
कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार
रायपुर

आतंकवादमुक्त वतन हो

बहुत सह चुके हम, अब और नहीं गवारा है ।
आंतकवादमुक्त वतन हो, आज जन-जन का नारा है ।।

वर्षों से आंतकवाद का साया हमारे सर पर छाया है ।
अब तक हजारों लोगों का इसने खून बहाया है ।।
गांधीजी के देश में बह रही खून की धारा है ।
आंतकवादमुक्त वतन हो, आज जन-जन का नारा है ।।

देश की शांति और समृद्धि में आंतकवाद बाधा है ।
हम उन्हें नाकाम करेंगे, जिन्होंने हम पर निशाना साधा है ।।
नहीं करेंगे कोई समझौता, कश्मीर हमारा है ।
आंतकवादमुक्त वतन हो, आज जन-जन का नारा है ।।

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

BSNL

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

तिमाही राजभाषा बैठक

आकाश भिमटे
सहायक दूरसंचार तकनीशियन
कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक,
दूरसंचार छत्तीसगढ़ परिमण्डल रायपुर

प्राकृतिक आपदा से उबरने के लिए बीएसएनएल का महत्वपूर्ण योगदान

भारत आज दुनिया के 25 शक्तिशाली देशों में से 15 वे स्थान पर हैं भारत देश के लोग किसी भी प्रकार की समस्या से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इन सब के बीच हमारे देश में प्राकृतिक आपदाओं का भी सामना किया है। जैसे भारतीय राज्य केरल में मानसून के दौरान अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ आ गयी। यह केरल में एक शताब्दी में आयी सबसे विकराल बाढ़ थी, जिसमें अब तक 373 से अधिक लोग मारे जा चुके है, तथा 2,80679 से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा । राज्य के सभी 14 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया था। केरल सरकार के अनुसार राज्य की 1/6 जनसंख्या बाढ़ से सीधे तौर पर प्रभावित हुई थी।

केन्द्र सरकार ने इस त्रासदी को स्तर तीन की आपदा घोषित किया है। केरल में 8 अगस्त 2018 को सायं काल में भारी मानसून वर्षा हुई जिसके कारण सारे बांधों में क्षमता से अधिक जल भर गया था। पहले 24 घण्टों में ही राज्य में 310 मिमी वर्शापात हुआ। केरल में बाढ़ से वहां का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था जिससे केरल ही नहीं सारा भारतवर्ष एक जुट होकर केरल के लिए सहायता के लिए आगे आये थे जिसमें भारत संचार निगम लिमिटेड के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने आर्थिक मदद तो की ही साथ में केरल के आम लोग जो इस बाढ़ से प्रभावित हुए उनके प्रति अपनी जवाबदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा से भारत संचार निगम लिमिटेड की दूरसंचार सेवा जैस- हेल्प लाइन नम्बर, लैण्डलाइन सुविधा व मोबाईल सुविधा को सुचारू रूप से जारी रखा।

उसी तरह चक्रवाती तूफान फोनी के पूर्वी तट की ओर मुड़ने के कारण ओड़िसा में 11 लाख लोगों को तटीय इलाकों से निकाला गया। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा आपदा पूर्व अभियान था। चक्रवात ने ओड़िसा के पुरी में दस्तक दे दी थी। विशेश राहत आयुक्त (एसआरसी) के मुताबिक तटीय इलाकों से निकालकर लोगों को 880 चक्रवात केंन्द्रो, स्कुल-कॉलेज की इमारतें और अन्य ठिकानों जैसे सुरक्षित स्थानों पर ले जाया रहा था। ओड़िशा के 14 जिले-पुरी, जगतसिंहपुर, केन्द्रपाड़ा, बालासोर, गंजम, खुर्दा, जाजपुर, नयागढ़, कटक, गजपति, मयूरभंज, ढेंकानाल और क्योंझर के चक्रवात की चपेट में आने की संभावना थी। वहीं आंध्र प्रेदश, तमिलनाडू और पश्चिम बंगाल में चक्रवात का प्रभाव पड़ने की संभावना थी।

उसी प्रकार ओड़िशा में फोनी तूफान के कारण पूरा ओड़िशा प्रभावित हुआ जिससे आपदा प्रबंधन के कर्मचारियों ने मौसम विभाग की जानकारी के अनुसार तूफान पहले से ही सभी लोगो को राहत शिविरों में सकुशल पहुचांया फोनी तूफान के ओड़िशा से जाते ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के कर्मचारियों ने रास्तों में गिरे पेड़ व बिजली के खम्बे को तुरत हटाया जिससे लोगो के आवागमन में आसानी हो उन सभी के बीच बीएसएनएल के कर्मचारियों ने भी सबसे बड़ा योगदान दिया उन्होंने दिन-रात एक कर बीएसएनएल के नेटवर्क को सुचारू से चालु किया जो एक सराहनीय कार्य रहा।

बीएसएनएल कर्मचारी हमेशा से देश के किसी भी आपदा में देश के साथ रहते हैं चाहे वह केदारनाथ की त्रासदी हो, केरल की बाढ़ या ओड़िशा का तूफान चाहे किसी भी देश के उपर आने वाली आपदा हो तो बीएसएनएल के कार्मिकों ने हमेशा अपने कर्तव्य का पालन किया है और आगे भी करते रहेगें।

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

BSNL
Connecting India

BSNL

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

एसएसए प्रमुखों की बैठक में उत्कृष्ट कार्य हेतु
मुख्य महाप्रबंधक महोदय
श्री भारत भूषण वर्मा, म.प्र.दू.जि. दुर्ग एवं
श्री टी के मरकाम, म.प्र.दू.जि. बस्तर को सम्मानित करते हुए

अगले 6 माह के दौरान छत्तीसगढ़ परिमंडल में सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिकों की सूची

बिलासपुर - एसएसए

क्र	कार्मिकों का नाम	पद नाम	सेवानिवृत्ति तिथि
1	मनोज कुमार अमोदिया	दूरसंचार तकनीशियन	30.11.2019
2	कुसुम तिग्गा	कार्यालय अधीक्षक	31.12.2019
3	प्रेम सागर	दूरसंचार तकनीशियन	31.12.2019
4	अमरेश मिश्रा	दूरसंचार तकनीशियन	31.12.2019
5	गणेश प्रसाद पाण्डेय	दूरसंचार तकनीशियन	31.12.2019
6	मनहरण प्रसाद शर्मा	दूरसंचार तकनीशियन	31.01.2020
7	आनंद निरनेजक	दूरसंचार तकनीशियन	31.01.2020
8	मारटिन एक्का	दूरसंचार तकनीशियन	29.02.2020
9	संतोष पासवान	दूरसंचार तकनीशियन	31.03.2020

परिमंडल कार्यालय

क्र	कार्मिकों का नाम	पद नाम	सेवानिवृत्ति तिथि
1	श्रीमती रूफीना भगत	सहायक कार्यालय अधीक्षक	30.09.2019
2	श्री राम नारायण पटेल	मुख्य महा प्रबंधक	31.12.2019

दुर्ग - एसएसए

क्र	कार्मिकों का नाम	पद नाम	सेवानिवृत्ति तिथि
1	सुख दास साहू	सहायक दूरसंचार तकनीशियन	30.09.2019
2	रवि शंकर साहू	कार्यालय अधीक्षक ;चद्ध	30.09.2019
3	दुर्योधन राव शिंदे	दूरसंचार तकनीशियन	30.09.2019
4	जय राम दखाने	ड्राईवर सामान्य ग्रेड	30.09.2019
5	प्रभाकर डोंगरे	दूरसंचार तकनीशियन	30.11.2019
6	एलिसबा मिंज	सहायक कार्यालय अधीक्षक ;ज्द्ध	31.12.2019
7	हरखा राम साहू	सहायक कार्यालय अधीक्षक ;[illegible]द्ध	31.12.2019
8	जिलाजीत पाण्डेय	दूरसंचार तकनीशियन	31.01.2020
9	ए. के. पाण्डेय	कार्यालय अधीक्षक ;चद्ध	29.02.2020
10	अनुप कुमार दास	उप मंडल अभियंता	29.02.2020
11	दिलिप कुमार साहू	दूरसंचार तकनीशियन	29.02.2020
12	कुवर लाल नौखरे	दूरसंचार तकनीशियन	29.02.2020
13	शांति बाई	सहायक दूरसंचार तकनीशियन	31.03.2020
14	हेमंत कुमार गुप्ता	कार्यालय अधीक्षक ;[illegible]द्ध	31.03.2020
15	भागिरथी साहू	दूरसंचार तकनीशियन	31.03.2020

बस्तर - एसएसए

क्र	कार्मिकों का नाम	पद नाम	सेवानिवृत्ति तिथि
1	ललित कुमार साहू	कनिष्ठ अभियंता	30.09.2019
2	दशरथ भगत	सहायक दूरसंचार तकनीशियन	30.11.2019
3	अमित कुजूर	सहायक कार्यालय अधीक्षक ;ज द्ध	29.02.2020
4	टी.आर. नागवंशी	सहायक कार्यालय अधीक्षक ;ज द्ध	31.03.2020

रायगढ़ - एसएसए

क्र	कार्मिकों का नाम	पद नाम	सेवानिवृत्ति तिथि
1	आर.पी. शुक्ला	कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी	31.10.2019
2	नोर्बेट कुजूर	कार्यालय अधीक्षक ;चद्ध	30.11.2019
3	शंभु हरि दानी	सहायक कार्यालय अधीक्षक ; द्ध	30.11.2019
4	जम्मा तवाती राजु	कनिष्ठ अभियंता	31.12.2019
5	कथ्रीना टिंकी	सहायक दूरसंचार तकनीशियन	31.12.2019
6	अलखा राम यादव	दूरसंचार तकनीशियन	29.02.2020
7	दिब्या प्रसाद सिदार	दूरसंचार तकनीशियन	29.02.2020

रायपुर - एसएसए

क्र	कार्मिकों का नाम	पद नाम	सेवानिवृत्ति तिथि
1	जागेश्वर प्रसाद साव	दूरसंचार तकनीशियन	30.09.2019
2	नंद किशोर धीवर	दूरसंचार तकनीशियन	30.09.2019
3	अंता राम चुन्दे	दूरसंचार तकनीशियन	30.09.2019
4	अखिलेश्वर प्रसाद साहू	उप मंडल अभियंता	31.10.2019
5	हेम लाल देवांगन	उप मंडल अभियंता	31.10.2019
6	राम जी निषाद	दूरसंचार तकनीशियन	31.10.2019
7	अशोक कुमार धुरंधर	कार्यालय अधीक्षक ;चद्ध	30.11.2019
8	रत्ना घोष	कार्यालय अधीक्षक ; द्ध	30.11.2019
9	तिलक राम साहू	दूरसंचार तकनीशियन	30.11.2019
10	सुशीला रामटेके	सहायक दूरसंचार तकनीशियन	31.12.2019
11	मेहतरीन बाई ध्रुव	सहायक दूरसंचार तकनीशियन	31.12.2019
12	खुबी राम सेन	दूरसंचार तकनीशियन	31.12.2019
13	कपिल राम ढीमर	सहायक दूरसंचार तकनीशियन	31.12.2019
14	महेन्द्र कुमार वर्मा	उप मंडल अभियंता	31.01.2020
15	राम दुलार यादव	दूरसंचार तकनीशियन	31.01.2020
16	सोहन लाल नेताम	सहायक दूरसंचार तकनीशियन	29.02.2020
17	राम दास अवधिया	दूरसंचार तकनीशियन	31.03.2020
18	दिनकर एस. गायकवाड	दूरसंचार तकनीशियन	31.03.2020
19	भोजराम सहारे	दूरसंचार तकनीशियन	31.03.2020

सरगुजा - एसएसए

क्र	कार्मिकों का नाम	पद नाम	सेवानिवृत्ति तिथि
1	अनिल कुमार त्रिपाठी	सहायक कार्यालय अधीक्षक ;चद्ध	30.09.2019
2	भागीरथी राम जंघेल	कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी	31.10.2019
3	सुभाष आपकुरकर	दूरसंचार तकनीशियन	31.10.2019
4	रत्नेश कुमार झारिया	उप मंडल अभियंता	31.10.2019

ए. सत्यनारायण
उप मण्डल अभियंता (पी एण्ड ए)
कार्यालय मुख्य अभियंता (सिविल)
छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमण्डल,
रायपुर

//बस्तर हमारा देखो प्यारा रे//

बस्तर हमारा
बस्तर हमारा देखो प्यारा प्यारा।
केशकाल घाटी बड़ी टेढ़ी मेढ़ी है,
बाजु ओरक्षा अबूझमाड़ जुड़ी है
भोले भाले लोगों की बाते सुहाती है।
बस्तर हमारा देखो प्यारा प्यारा रे।
बस्तर में देखने को एक बात है,
तीरथगढ़, चित्रकुट जल प्रपात है,
गिरती हुई पानी हमें मीठें धुन सुनाती है।
बस्तर हमारा देखो प्यारा प्यारा रे।
बस्तर में गुफाओं की क्या बात है
कुटुम्बसर की गुफाओं में तो दिन मे रात है।
बस्तर हमारा देखो प्यारा प्यारा रे।
बस्तर में काले सोने की खदान है,
जो बस्तर की बहुत शान है।
बस्तर को मिली कई सौगात है
उसमें से एक नगरनार स्टील प्लांट है।
बस्तर हमारा देखो प्यारा प्यारा रे।
बस्तर में देखने को एक बात है,
यहां का दशहरा विश्व विख्यात है।
बस्तर गोंचा की भी क्या बात है
तुपकी से निकली आवाज का अलग अंदाज है।
बस्तर हमारा देखो प्यारा रे।
बस्तर की माई माँ दंतेश्वरी है।
बस्तर वासियों की बड़ी प्यारी है,
आशीर्वाद दे दे कर खुशहाल करती है।
तुम मानो या ना मानो,
मैं तो हू आमचो बस्तर, सुन्दर बस्तर।

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

मुख्य महाप्रबंधक महोदय के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार वर्ष 2019 में छत्तीसगढ़ दूरसंचार परिमंडल की गृह पत्रिका कोशिश के 13 वें अंक को प्रथम डिजिटल संस्करण के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है । इस अंक के डिजिटल प्रकाशन में संलग्न समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों का धन्यवाद ।

के.पी. गोस्वामी
लेखा अधिकारी (वेतन)
कार्या. म.प्र.दू.जि. रायपुर
(डिजिटल डिजाइनिंग व कम्पोजिंग)

सचिन जामगड़े
सीनियर ऑफिस एसोशियेट
कार्या. मु.म.प्र.दू. छ.ग.परि. रायपुर
(टाइपिंग व संकलनकर्ता)

बेहतर सेवा की नई लगन

गृह पत्रिका

BSNL
Connecting India Faster

कोशिश

FTTH
MOBILE
LANDLINE
BROADBAND

भारत संचार निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
BHARAT SANCHAR NIGAM LIMTED
(A Government of India Enterprises)

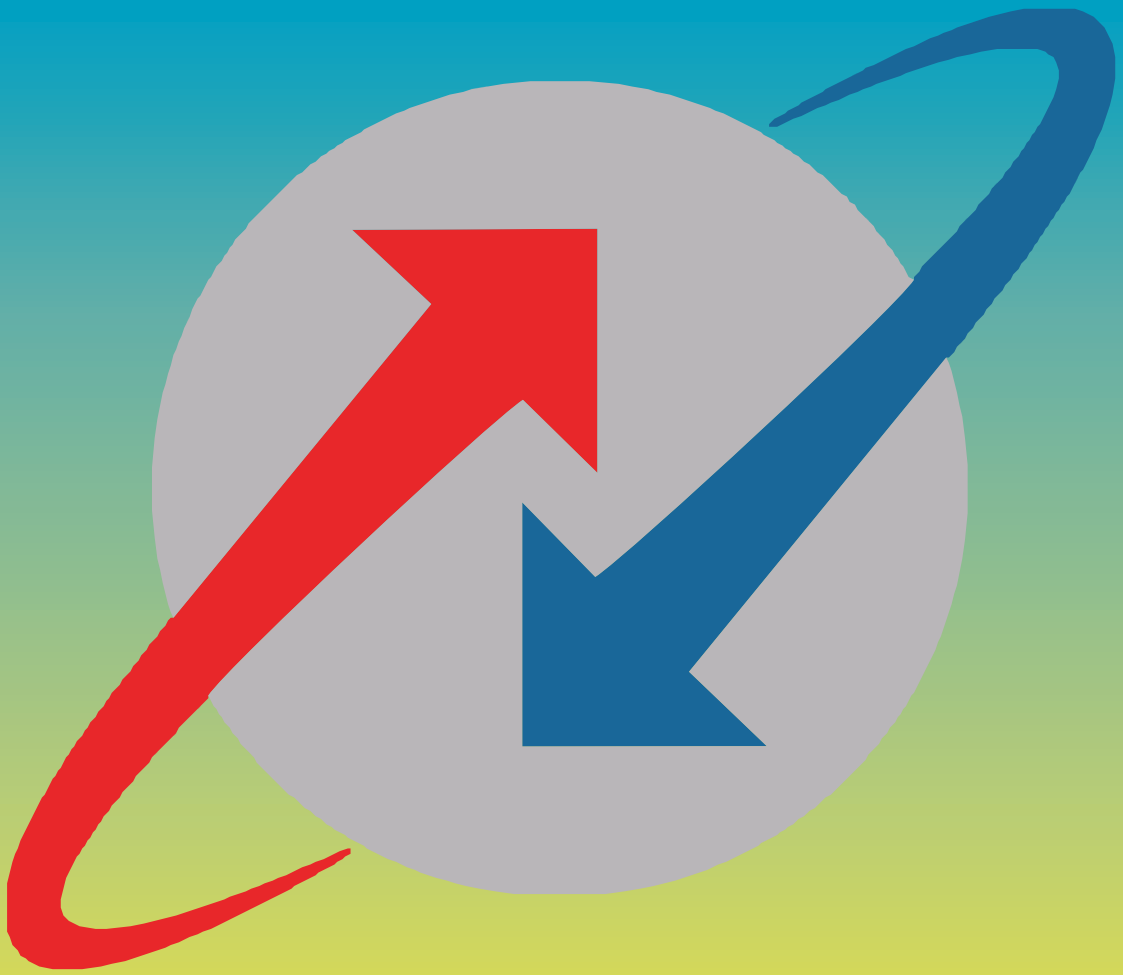

बेहतर सेवा की नई लगन

गृह पत्रिका